for Agartala Town is under preparation by the C.P.W.D. in consultation with the Central Water and Power Commission.

(b) As early as possible.

LOCAL SELF ADMINISTRATION IN TRIPURA

314. Shri Biren Dutt: Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether the Chief Commissioner of Tripura has sent a proposal for introducing the West Bengal Municipal Act in the State;

(b) what are the specific amendments suggested; and

(c) whether it is proposed to enforce this Act during the current year?

The Minister of Health (Rajkumari Amrit Kaur): (a) Yes.

(b) No specific amendments have been suggested but the entire Bengal Municipal Act is sought to be introduced without any alteration except such technical modifications as may be necessary.

(c) The matter is still under consideration.

AIR SERVICE TO MADURAI

315. Shri K. S. Gounder: Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to provide an Air service to Madurai with direct connection to and from Madras;

(b) if so, when this proposal will mature; and

(c) the details of the service?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur): (a) Yes, Sir.

(b) No exact date for the commencement of such a service has yet been fixed, as it is dependent on the arrival of new Heron aircraft from England.

(c) I lay on the Table of the Lok Sabha a statement giving the required information. [*See* Appendix VI, annexure No. 57].

तपेदिक विरोधी उपाय

३१६. श्री कृष्णाचार्य जोशी : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि:

(क) तपेदिक रोकने के लिये १९५४ में कितने उपायों पर मंजूरी दी गई ,

(ख) उस वर्ष कितने व्यक्तियों को बी० सी० जी० का टीका लगाया गया ,

(ग) बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोग शाला गिन्डी (मद्रास) द्वारा १९५४ में कितनी वैक्सीन दी गई , और

(घ) वैक्सीन किन किन राज्यों को दी गई ?

स्वास्थ्य मंत्री (राजकुमारी अमृत कौर): (क) केन्द्रीय सरकार ने तपेदिक की रोकथाम के लिए १९५४ में नीचे लिखे उपायों की मंजूरी दी :—

(१) बी० सी० जी० के टीके के कार्यक्रम को सारे देश में जारी रखना ।

(२) बच्चों के लिए तपेदिक के दो अस्पतालों की स्थापना — एक ५० खाटों वाला महरौली में और दूसरा ७५ खाटों वाला दक्षिण के आरोग्यवरम् में ।

(३) "लाला राम स्वरूप टी० बी० अस्पताल", महरौली में अधिक खाटों की व्यवस्था ।

(४) "यूनियन मिशन टी० बी० सैनीटोरियम", आरोग्यवरम् के सर्जिकल केन्द्र का विकास ।

(५) नई दिल्ली में क्षय रोग विरोधी प्रदर्शन और शिक्षण केन्द्र को जारी रखना ।

(६) क्षय रोग से पीड़ित विस्थापितों के इलाज के लिए भिन्न भिन्न राज्यों को दिये गये अनुदानों की चुकती ।

(७) भिन्न भिन्न क्षय सम्बन्धी संस्थाओं के विस्तार व उन्हें श्रेष्ठ बनाने के लिए अनुदान ।